

- 1- राजनीति विज्ञान के अध्ययन के क्षेत्र में 1950 के दशक में व्यवहारवादी तथा संवत् 1950 के दशक में दृष्टिकोण का उदय हुआ।
- 2- व्यवहारवादी उत्तर व्यवहारवादी दृष्टिकोण के अनुसार मनुष्य के राजनीतिक व्यवहार का अध्ययन उसकी सामर्थता में किया जाना चाहिए क्योंकि इसके सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए नहीं किया जा सकता।
- 3- राजनीति के आधुनिक दृष्टिकोण के मुख्य स्वार्थकों में कैटलिन, लावेल, कैपलान, डेविड ईस्टन, जामस पावल, रॉबर्ट ए. डेल, ईत्यादि के नाम उल्लेखनीय हैं।
- 4- व्यवहारवाद के पितामह डेविड ईस्टन के मतानुसार यह दृष्टिकोण वैज्ञानिक समीक्षा का प्रतिबिम्ब है।
- 5- रॉबर्ट ए. डेल ने व्यवहारवाद को परम्परावादी पद्धति की स्वतन्त्रता के विरुद्ध एक विरोध आन्दोलन कहा है।
- 6- व्यवहारवादी उपागम में अध्ययन का केन्द्र बिन्दु स्थापित नहीं है। व्यक्ति का राजनीतिक व्यवहार होता है।
- 7- व्यवहारवादी यह अनुभव करते हैं कि मूल्य, सिद्धान्त, तथा आदर्श के आधार पर किया गया अध्ययन कल्पनात्मक होता है। इसलिए राजनीतिक अध्ययन तथा अधिक व्यक्तिगत तथा सामूहिक व्यवहार के आधार पर ही साधक तथा उपयोगी हो सकते हैं।
- 8- व्यवहारवाद की नींव ग्राहम वॉलास, आर्थर वेबल, चार्ल्स ई. मैरियम ने वर्तमान अलाबामा के प्रारम्भ में रखी थी।
- 9- ग्राहम वॉलास ने सन् 1908 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'Human Nature in Politics'

मे राजनीति में मनोवैज्ञानिक तत्वों जैसे भावनाएँ व्यवहारवादी विज्ञानों तथा के प्रभाव के अध्ययन पर बल दिया है।

इसी प्रकार सन 1908 में ही प्रकाशित आर्चर जेफरि की पुस्तक 'Principles of political science' में भी राजनीतिक रीतियों तथा संस्थाओं के अध्ययन के आधार पर राजनीतिक प्रक्रियाओं के अध्ययन तथा विश्लेषण पर अधिक बल दिया है।

सन 1925 में चार्ल्स मैरियस ने अपनी पुस्तक 'New Aspects of politics' में सैद्धान्तिक

अध्ययन के स्थान पर व्यवहारवादी तथा वैज्ञानिक अध्ययन की संहति की है।

राजनीतिक व्यवहारवाद री सम्बन्धित अग्रगण्य विचारों को संकलित कर सन 1950 के दशक में अमेरिका के राजनीति विज्ञान विषय के विद्वान डेविड ईस्टन ने एक व्यापक सिद्धान्त के रूप में व्यवहारवादी दृष्टिकोण का प्रतिपादन किया।

Pol-sc (Hons)

part-I

Paper-I

Ram Kant Pandey

B.R.A.P College

Bara Chakiya

B.R.A.B.U (Muz.)